"प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों की आईसीटी के प्रति जागरूकता, अभिवृत्ति और कौशल का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

वर्ष 2010-2011

मार्गदर्शक

डॉ. एम.यू. पैइली
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.) श्यामला हिल्स, भोपाल

शोधकर्ता

प्रविणभाई पांडव
एम.एड (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्) श्यामला हिल्स भोपाल

2010:2011

"प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों की आईसीटी के प्रति जागरूकता, अभिवृत्ति और कौशल का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

D- 349

लघुशोध प्रबंध

वर्ष 2010-2011

मार्गदर्शक

डॉ. एम.यू. पैइली
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.) श्यामला हिल्स, भोपाल

शोधकर्ता

प्रविणभाई पांडव
एम.एड (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्) श्यामला हिल्स भोपाल

घोषणा – पत्र

मैं प्रविणभाई पांडव घोषणा करता हूं कि एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत यह लघु शोध प्रबंध **"प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों की आईसीटी के प्रति जागरूकता, अभिवृत्ति और कौशल का अध्ययन"** मेरे मौलिक कार्य का परिणाम है।

इस शोध कार्य हेतु जिन स्त्रोतों से सहायता ली गई है, मैनें उनका उल्लेख संदर्भ ग्रंथ सूची में कर दिया है।

P. K. Pandav
शोधार्थी

स्थान : भोपाल
दिनांक : 26/04/2011

प्रविणभाई पांडव
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(म.प्र.)

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **प्रविणभाई पांडव** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में एम.एड. (आर.आई.ई.) का नियमित छात्र है। इन्होनें बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों की आईसीटी के प्रति जागरूकता, अभिवृत्ति और कौशल का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (आर. आई.ई.) परीक्षा 2010–11 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

मार्गदर्शक

स्थान : भोपाल
दिनांक : .....

डॉ. एम. यू. पैइली
प्रवाचय (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(म.प्र.)

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिये मैं अपने निर्देशक डॉ. एम.यू. पैइली का कृतज्ञ हूं, जिन्होनें अत्याधिक व्यस्तता के बाबजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करते रहे। यह लघुशोध-प्रबंध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्य पूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य कृ. बा. सुब्रमणियम तथा डॉ. एस.के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूं।

मैं. डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. के.के. खरे, डॉ. एन. सी. ओझा, श्री संजय पंडागले, श्री आनंद वाल्मीकी एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूं, जिन्होनें समय-समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य में सहयोग किया है।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूं।

मैं प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों का आभारी हूं जिन्होनें प्रदत्तों के संकलन में अगाध सहयोग दिया।

मैं अपने माता-पिता, भाई-भाभी, दादाजी तथा परिवार के सभी सदस्यों का जीवन पर्यन्त ऋणी रहूंगा, जिन्होनें मेरे अध्यापन में महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन-मन-धन से सहयोग तथा आर्शीवाद दिया है।

मैं अपने एम.एड. के समस्त सहयोगियों का एवं महेन्द्र सर का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होनें मुझे परामर्श एवं प्रोत्साहन प्रदान किया।

अंत में मैं, शोध कार्य में संदर्भित विविध चरणों में शोध कार्य में, जिन्होनें किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभारी रहूंगा।

P. K. Pandav
शोधार्थी

स्थान : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
दिनांक : 26/04/2011

प्रवीणभाई पांडव
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
(म.प्र.)

अनुक्रमणिका

- घोषणा–पत्र
- प्रमाण–पत्र
- आभार–ज्ञापन

क्रमांक	अध्याय – प्रथम शोध परिचय	पृष्ठ संख्या
1.1	प्रस्तावना	1–2
1.1.1	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी (आईसीटी)	2–3
1.1.2	सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी का अर्थ	4
1.1.3	शिक्षा तंत्र में व्यापक परिवर्तन लाने से संबंधित आईसीटी के लाभ एवं उपादेयता	5–6
1.1.4	भारत में शिक्षा तकनीकी का विकास	6–8
1.1.5	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) तकनीकी शिक्षा	8–9
1.1.6	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) में तकनीकी शिक्षा	9–10
1.2	अध्ययन की आवश्यकता और महत्व	11
1.3	समस्या कथन	11
1.4	समस्या कथन में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा	11–12
1.5	अध्ययन के उद्देश्य	13
1.6	परिकल्पनाऐं	13–14
1.7	सीमांकन	14
	अध्याय–द्वितीय संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
2.1	प्रस्तावना	15
2.2	साहित्य के पुनरावलोकन के उद्देश्य	15–16
2.3	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	16–22

क्रमांक	अध्याय – प्रथम शोध परिचय	पृष्ठ संख्या
	अध्याय तृतीय शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	
3.1	प्रस्तावना	23
3.2	शोध प्रारूप	23
3.3	अध्ययन विधि	23–24
3.4	न्यादर्श का चयन	24–25
3.5	शोध में प्रयुक्त चर	25–26
3.6	शोध उपकरण	26
3.6.1	आईसीटी के प्रति अभिवृत्ति मापनी	26–27
3.6.2	आईसीटी के प्रति जागरूकता परीक्षण	27–28
3.6.3	आईसीटी कौशल संबंधित प्रश्नावली	28
3.7	आंकड़ों का संकलन	28–29
3.8	उपकरण के अंकन की विधि	29
3.9	प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां	29
	अध्याय – चतुर्थ प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	
4.1	प्रस्तावना	30
4.2	परिकल्पनाओं का परीक्षण	31–43
	अध्याय पंचम शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव	
5.1	प्रस्तावना	44
5.2	समस्या कथन	44
5.3	अध्ययन के उद्देश्य	45
5.4	अध्ययन की परिकल्पना	45–46
5.5	शोध के चर	46
5.6	न्यादर्श चयन की प्रक्रिया	47

क्रमांक	अध्याय – प्रथम शोध परिचय	पृष्ठ संख्या

5.7	शोध में प्रयुक्त उपकरण	47
5.8	शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय	47
5.9	समस्या की सीमाऐं	48
5.10	अध्ययन के मुख्य परिणाम	48–49
5.11	निष्कर्ष	49–50
5.12	शैक्षिक सुझाव	50
5.13	भावी शोध हेतु सुझाव	50–51
	संदर्भ ग्रंथ सूची	52–53
	परिशिष्ट	